संदेश

-

भारतीय संविधान के शिल्पीस, डॉ. भीमराव रामजी आम्बेमडकर के जन्मर दिवस पर मैं सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ।

अपने प्रेरणादायी जीवन में डॉ. आम्बेुडकर ने , अत्यंआत विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए अपनी विशिष्ट राह बनाई और अपनी विलक्षण एवं बहुआयामी उपलब्धियों से विश्वह स्तिर पर सम्मानन अर्जित किया।

वे मानवाधिकारों के महान पैरोकार थे , जिन्हों।ने शिक्षा के प्रसार की आवश्यकता के साथ-साथ भारत के वंचित समुदाय के लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के उद्देश्या से 'बहिष्कृोत हितकारिणी सभा' की स्थाहपना की। डॉ. आम्बेतडकर ने एक बेहतर और न्यायदयपूर्ण समाज की परिकल्पबना की और इसके लिए आजीवन संघर्ष किया। वे एक ऐसा आधुनिक भारत बनाना चाहते थे जहां जातिगत   तथा किसी अन्यी तरह के पूर्वाग्रह न हों, जहां महिलाओं को तथा सदियों से पिछड़ेपन की पीड़ा झेल रहे समुदायों को बराबरी के आधार पर आर्थिक और सामाजिक अधिकार प्राप्तक हों।

आइए, डॉ. आम्बेपडकर की जयन्तीी के इस अवसर पर हम उनके जीवन और विचारों से शिक्षा ग्रहण करके उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्म सात करने का संकल्पर लें और एक सशक्त‍ा एवं समृद्ध भारत बनाने में अपना योगदान दें।

****